वर्ष :: 33 अंक : 41
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

प्रकाशन का 33 वां वर्ष

/mithilavarnan

मिथिला
# वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

बोकारो :: शुक्रवार, 07 जुलाई, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

निखिल-मंत्र-विज्ञान
अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

# छात्रवृत्ति घोटाला साजिश में दफन ?

## झारखंड में स्वकल्याण विभाग का कारनामा... साजिशन बचाए गए घोटालेबाज, अफसर गटक गए बच्चों के हक के 4.2 करोड़ रु.

DEPT OF WELFARE
KALYAN COMPLEX

**- देवेन्द्र शर्मा -**

**रांची** : झारखंड सरकार का आदिवासी कल्याण विभाग वर्तमान में अनियमितता, भ्रष्टाचार और लूट-खसोट का केन्द्र बन गया है। सरकार के स्पष्ट आदेश के बाद भी विभाग अधिकारी विभाग में मनमर्जी तरीके से काम कर रहे हैं। विभाग के इस रवैये से राज्य के सम्बन्धित छात्र-छात्राओं को परेशानी उठानी पड़ रही है। विभाग के द्वारा छात्रवृत्ति घोटाला की खबरें आए दिन सुर्खियों में रहती हैं। लेकिन, इस बड़े मामले पर पर्दा डालने की कोशिशें चल रही हैं। दूसरे शब्दों में कहें, तो साजिशन इस बड़े घोटाले को दफन करने का कुचक्र चल रहा है। दुमका, धनबाद, कोडरमा और गिरिडीह में छात्रवृत्ति घोटाला पर जिस प्रकार विभाग ने कार्रवाई के विपरीत पदार्दारी की गई है, उससे सरकार की छवि पर विपरीत असर पड़ा है। विभाग के खास सूत्रों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों की यदि निष्पक्ष रूप से जांच करायी जाय, तो मामला चौंकाने वाला सामने आयेगा।

जिलों में विभिन्न विद्यालयों से लेकर, जिला कल्याण पदाधिकारी से लेकर कल्याण विभाग तक की डोर एक साथ जुड़ी बताई जा रही है। पिछले पांच साल में ही करोड़ों की राशि को लूटकर मामले को दबा दिया गया। इस मामले पर सरकार के आदेश के बाद प्राथमिकी दर्ज करायी गई। जांच का जिम्मा एसीबी (एंटी करप्शन ब्यूरो) को सौंपा गया। कुछ लोगों की गिरफ्तारी भी हुई, परन्तु प्रमुख घोटालेबाजों को एक षडयंत्र के तहत बचा लिया गया। कोडरमा, गिरिडीह और धनबाद के संबंधित जिला कल्याण पदाधिकारी की अब गिरफ्तारी तक नहीं हुई। कुछ लोगों की गिरफ्तारी के बाद उन्हें जमानत मिल चुकी है और खबर है **(शेष पेज- 7 पर)**

### छात्रावासों की हालत पर सीएम ने जताई थी नाराजगी

आदिवासी कल्याण विभाग के दायरे में प्रदेश के आदिवासी हरिजन विद्यालय और छात्रावास को भी रखा गया है। लगभग सभी विद्यालयों और छात्रावासों का जिम्मा विभाग पर है। आवासीय विद्यालय और छात्रावास की स्थिति बदतर है। वहां छात्र नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। अभी कुछ समय पहले ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विद्यालयों और छात्रावास का औचक निरीक्षण भी किया था। उन्होंने निरीक्षण के दौरान नाराजगी जतायी थी। इसका भी असर विभाग पर नहीं पड़ा।

### एक ही स्थान पर वर्षों से जमे हैं कर्मचारी

सूत्रों का कहना है कि कल्याण विभाग की संचिका में प्रदेश के सभी विद्यालय और छात्रावास की स्थिति पूरी तरह फाइव स्टार की सुविधापूर्ण दर्शाया गया है, परन्तु वास्तविकता ठीक विपरीत है। कल्याण विभाग में सभी सामानों की आपूर्ति में भी जमकर अनियमितता की शिकायतें सामने आती हैं। विभाग में अधिकतर कर्मचारी एक ही स्थान पर सालों-साल से जमे हुए हैं। हाल ही में विभाग के सचिव का जिम्मा एक चर्चित अधिकारी को दिया गया है, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप की जांच ईडी कर रही है। पूर्व के सचिव पर भी कई गंभीर आरोप थे, उनके समय भी छात्रवृति घोटाला से लेकर नियम के विरुद्ध अधिकारी की और मनचाहे वेतन भुगतान की जांच चल रही थी। यहां यह सवाल उठ रहा है कि कर्मचारी से लेकर अधिकारियों की लूट-खसोट पर कार्रवाई के स्थान पर उनका स्थानांतरण ही क्यों कर दिया जाता है। उनके खिलाफ अगर अनुशासनात्मक अथवा दंडात्मक कार्रवाई की जाती, तो बाकी के अफसर इस तरह बच्चों के हक का पैसा डकारने की जुर्रत नहीं करते।

### आदिवासियों पर अत्याचार चरम पर : बाबूलाल

झारखंड प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी का कहना है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोरेन के अब तक के कार्यकाल में अनियमितता भ्रष्टाचार और आदिवासी समुदाय के लोगों पर जितनी अत्याचार उत्पीड़न की घटनाएं हुई हैं, वह रिकार्ड संख्या में हुई है। छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति तक की राशि को लूटा जा रहा है। कहीं भी किसी प्रकार की सुनवाई नहीं हो रही है। आदिवासी मुख्यमंत्री की देखरेख में आदिवासियों का शोषण असहनीय है। राज्य में सरकारी योजनाओं का हाल बेहाल है। राज्य में आदिवासी महिलाओं सहित छात्राओं की हत्या पर सुनवाई नहीं होती है। दुष्कर्म की घटना पर भी मामले को नजरअंदाज किया जा रहा है। झारखंड सरकार का आदिवासी कल्याण विभाग कल्याण के विपरीत शोषण-दमन का चक्र चला आ रहा है। सरकार की कथनी और करनी में फर्क साफ देखा जा रहा है। आदिवासी कल्याण कार्यक्रम, जो केन्द्र सरकार द्वारा चलाये जा रहे हैं, वह लूट कार्यक्रम में तब्दील हो गया है।

### सूचना

डीवीसी स्थापना दिवस के मद्देनजर हमारा यह अंक 09 जुलाई की बजाय 07 जुलाई, 2023 को प्रकाशित किया जा रहा है। अगला अंक 16 जुलाई 2023 को प्रकाशित होगा। **- संपादक**

दाघानि DVC
राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित
दामोदर घाटी निगम
चन्द्रपुरा ताप विद्युत केन्द्र की ओर से
डीवीसी के 76वें स्थापना दिवस (7 जुलाई) की
हार्दिक शुभकामनाएं।
"हमसे है लाखों चेहरों पर मुस्कान"
सुनील कुमार पांडेय वरिष्ठ महाप्रबंधक सह- परियोजना प्रधान डीवीसी सीटीपीएस, चंद्रपुरा (बोकारो)।

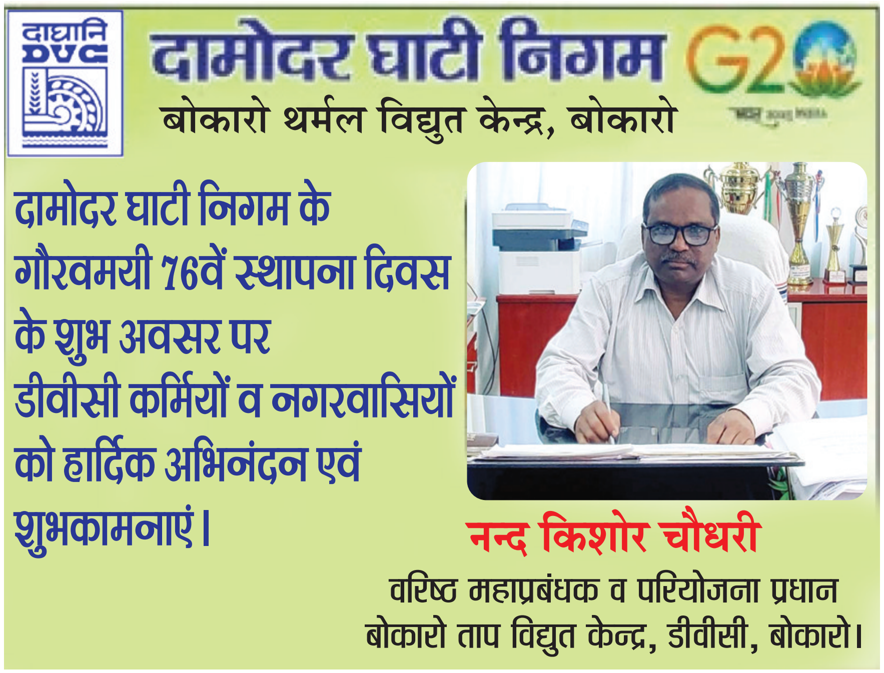
दाघानि DVC
दामोदर घाटी निगम G20
बोकारो थर्मल विद्युत केन्द्र, बोकारो
दामोदर घाटी निगम के
गौरवमयी 76वें स्थापना दिवस
के शुभ अवसर पर
डीवीसी कर्मियों व नगरवासियों
को हार्दिक अभिनंदन एवं
शुभकामनाएं।
नन्द किशोर चौधरी
वरिष्ठ महाप्रबंधक व परियोजना प्रधान
बोकारो ताप विद्युत केन्द्र, डीवीसी, बोकारो।

**– संपादकीय –**

# महाराष्ट्र के बाद अब बिहार की बारी

*भारतीय जनता पार्टी की पवार गेम 'पावर गेम' में रूप में महाराष्ट्र में सामने आया। सियासी पंडितों की मानें, तो महाराष्ट्र के बाद अब बिहार पर भाजपा की नजर है। इसकी शुरुआत इसने विपक्ष की बैठक की हवा निकालकर कर दी थी। विपक्षी एकता की पहली बैठक बिहार में हुई थी और उसके बाद भाजपा ने विपक्ष को कमजोर करने और एकता की संभावना को पंक्चर करने का अभियान तेज कर दिया। महाराष्ट्र में शरद पवार की पार्टी एनसीपी टूट गई है और उनके भतीजे अजित पवार भाजपा-शिव सेना की सरकार में उप मुख्यमंत्री बन गए हैं। अब राज्य में भाजपा-शिव सेना-एनसीपी की सरकार बन गई है। शरद पवार जैसे बड़े नेता की पार्टी का टूटना बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम है, जिससे निश्चित रूप से विपक्षी पार्टियों के मनोबल पर असर हुआ होगा। अब कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र के बाद बिहार की बारी है। बिहार की बारी दो कारणों से बताई जा रही है। पहला कारण तो यह है कि एक साल पहले 30 जून को जब शिव सेना को तोड़कर भाजपा ने एकनाथ शिंदे के साथ मिलकर सरकार बनाई थी, उसके कुछ दिन बाद ही बिहार में नीतीश कुमार ने भाजपा से तालमेल तोड़कर राजद के साथ सरकार बना ली थी। यानी भाजपा के महाराष्ट्र के जश्न को नीतीश ने बिहार में गम मे बदल दिया था। सो, अब उसका बदला लेना है। दूसरा कारण यह है कि शरद पवार की पार्टी की ही तरह नीतीश की पार्टी में कई कमजोर कड़ियां हैं, जिनका फायदा भाजपा उठा सकती है। महाराष्ट्र में अजित पवार एनसीपी की कमजोर कड़ी थी। वह काफी समय से भाजपा के संपर्क में थे। उसी तरह एक समय नीतीश की पार्टी में नंबर दो की पोजिशन में रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह अब भाजपा के साथ चले गए हैं। उनके जरिए बताया जा रहा है कि जदयू के कई नेताओं से भाजपा का संपर्क है। इसके अलावा जदयू के कई नेताओं को अगले चुनाव में अपने भविष्य की चिंता है। उनको लग रहा है कि राजद के साथ जाने की वजह से वे अपने चुनाव क्षेत्र में कमजोर हुए हैं। उनका समीकरण बिगड़ा है। ऐसे नेता भाजपा के साथ जा सकते हैं। जदयू के कई नेताओं की महत्वाकांक्षा बड़ी है। उनको लग रहा है कि अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा उनको टिकट दे सकती है। ध्यान रहे, भाजपा पिछली बार 17 सीटों पर लड़ी थी और सभी सीटों पर जीती थी। इस बार वह 30 सीटों पर लड़ सकती है। बहरहाल, बिहार के गेम में मोदी और शाह की जोड़ी अब क्या गुल खिलाती है, यह तो आने वाला समय ही तय करेगा, परंतु फिलहाल इन दिनों पवार मामले में पावर की हेराफेरी चर्चा का विषय बनी है।*

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
*(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)*

### समावेशन के लिए सहायक प्रौद्योगिकी

# भारत का दृष्टिकोण और क्षमता

**राजेश अग्रवाल**

सहायक प्रौद्योगिकी (एटी) अर्थात ऐसा कोई भी उत्पाद या सेवा, जिसके माध्यम से दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) अथवा इस तरह की किसी भी स्वास्थ्य स्थितियों का सामना कर रहे लोगों को मुख्यधारा में शामिल होने और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए दैनिक गतिविधियों का निर्वहन करने में सहायता की जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ द्वारा मई 2022 में सहायक प्रौद्योगिकी पर जारी की गई पहली वैश्विक रिपोर्ट (जीआरईएटी) के अनुसार, दुनिया में 2.5 बिलियन से अधिक लोगों को एक अथवा अधिक सहायक उत्पादों की आवश्यकता होती है। भारत में, 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 26.8 मिलियन लोग दिव्यांग हैं और यह उनके लिए सहायक प्रौद्योगिकी की आवश्यकता को दर्शाता है।

भारत में दिव्यांगजनों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य देखभाल तक सीमित पहुंच शामिल है। इसके अलावा, कई दिव्यांगजन पहुंच की कमी के कारण परिवहन और आवास जैसी बुनियादी सेवाओं तक पहुंचने बनाने के लिए भी संघर्ष करते हैं। सहायक प्रौद्योगिकी दिव्यांगजनों को रोजमर्रा के काम करने और उनके समुदायों में समान रूप से भागीदारी करने में मदद करते हुए इन चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत एक केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम, भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) का उद्देश्य दिव्यांगजनों को गुणवत्तापूर्ण सहायक उपकरण और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करना है। पिछले कुछ वर्षों में, एलिम्को भारत में एटी के क्षेत्र में एक प्रमुख भागीदार बन चुका है। एलिम्को सहायक उपकरणों की विस्तृत श्रृंखला का निर्माण करता है, जिसमें प्रोस्थेसिस, ऑर्थोसिस, श्रवण यंत्र और गतिशीलता सहायक उपकरण जैसे ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, स्टिक, वॉकर, बैसाखी आदि शामिल हैं।

एलिम्को ने दुनिया भर में प्रगति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी सहायता और सहायक उपकरणों का उत्पादन करने हेतु अपनी सुविधाओं का आधुनिकीकरण करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। इस दिशा में, एलिम्को ने अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ सहयोग किया और लोअर लिम्ब प्रोस्थेटिक कंपोनेंट (कृत्रिम पैर) और सक्रिय व्हील चेयर के स्वदेशी निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने के लिए टीओटी पर हस्ताक्षर किए। प्रोस्थेटिक्स के लिए एलिम्को द्वारा निर्मित "परिवर्तन किट" का मूल्य इस श्रेणी में आयातित प्रोस्थेसिस की तुलना में बेहद कम है, जिसे देश भर में हजारों लाभार्थियों को लगाया गया है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत दृष्टिबाधित दिव्यांगों के लिए स्वदेशी डिजाइन से निर्मित 'सुगम्य' छड़ी की परिकल्पना की गई है।

प्रौद्योगिकी ग्रहण करने की दिशा में एलिम्को द्वारा किए गए प्रयासों में अत्याधुनिक प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक केंद्र; उन्नत डिजाइन दक्षता के साथ- 3डी मॉडलिंग और विश्लेषण सॉफ़्टवेयर; 3डी प्रिंटिंग सहित कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग (सीएडी) और कंप्यूटर एडेड मैन्युफैक्चरिंग (सीएएम); सीएनसी स्लाइडिंग हेड मशीन और सीएनसी टर्न मिल मशीन का उपयोग; सटीक/सटीक धातु विश्लेषण के लिए- स्पेक्ट्रो विश्लेषक; बैटरी चालित

मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल में रिवर्स ड्राइव और डिस्क ब्रेक और एक्टिव फोल्डिंग व्हील चेयर तथा रफ टेरेन व्हील चेयर का डिजाइन/ड्राइंग जैसी नई सुविधाएं शामिल की गई हैं।

दिव्यांगजनों के लिए सार्वजनिक स्थलों और परिवहन प्रणालियों को अधिक सुलभ बनाने के लिए सरकार द्वारा 2015 में सुगम्य भारत अभियान का शुभारंभ किया गया था और यह दिव्यांगजनों के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी को अधिक सुलभ बनाने पर केंद्रित है।

कौशल विकास के लिए 2015 में शुभारंभ की गई राष्ट्रीय कार्य योजना का लक्ष्य 2022 तक दस लाख दिव्यांगजनों को प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिसमें दिव्यांगजनों को उनके कौशल विकसित करने में सहायता करने के लिए एटी प्रदान करने का प्रावधान है।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) की सहायता/उपकरणों की खरीद/फिटिंग के लिए दिव्यांगजन को सहायता (एडीआईपी) योजना दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों और अन्य उपकरणों की खरीद के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है और यह सबसे लोकप्रिय भी है तथा जरूरतमंद दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए इसमें देश के सभी जिले शामिल हैं।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) के तहत विभाग द्वारा देश भर में नौ राष्ट्रीय संस्थान स्थापित किए गए हैं, साथ ही राष्ट्रीय संस्थानों की विस्तारित शाखाओं के रूप में 21 समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) भी स्थापित किए गए हैं।

भारत दिव्यांगजनों के लिए एटी समाधान विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करने वाले स्टार्ट-अप में वृद्धि का साक्षी बन रहा है, जो दिव्यांगजनों के लिए नवीन उत्पाद बनाने हेतु नवीनतम तकनीक का लाभ उठा रहे हैं। यह भारत सरकार के समर्थन से समावेशन को बढ़ावा देने और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में सहायता कर सकते हैं।

आज, एटी दिव्यांगजनों के लिए विश्व मंच पर चर्चा का एक महत्वपूर्ण विषय है, जो दिव्यांगजनों के जीवन को बेहतर बनाने पर केंद्रित एक वैश्विक कार्यक्रम है। कुल मिलाकर, भारत में दिव्यांगता क्षेत्र में सहायक प्रौद्योगिकी का व्यापक दायरा महत्वपूर्ण है और इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाले स्टार्ट-अप और इनोवेटर्स का एक बढ़ता हुआ इकोसिस्टम भी है। सरकार ने समावेशन को बढ़ावा देने और दिव्यांगजनों के जीवन में सुधार लाने में एटी समाधानों की क्षमता को पहचाना है और सरकार एटी समाधानों के विकास, इन्हें अपनाने और इनके उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है। निरंतर निवेश और समर्थन के साथ, एटी समाधानों के विकास और इन्हें अपनाने के मामले में भारत वैश्विक रूप से प्रमुख बनने की क्षमता रखता है।

*(लेखक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सचिव हैं।)*

# आह धरा केर

**मैथिली कविता**

**– शम्भुनाथ –**

हम धरती केर चीर फारि के
सगरो गत्र उघार करै छी,
भौतिक सुख केर स्वार्थें वेष्ठित
नहि ककरहु प्रतिकार करै छी।

कोड़ि रहल छी वक्ष धरा केर
अक्षुण्ण रत्नक चाह मे,
तथा दिनादिन भेल समाहित
जा रहलहुं अथाह मे।

छाती पर जे सड़क बनेलहुं
पाथर आ चारकोल कें,
आतुर भ' के धरा रोकलक
नहि सुनलहुँ ओहि बोल कें।
भवनक माटि पजेबा लोहा
रंग काठ आ बांस,
धरती केर सौन्दर्य मेटाके
मन केर पूरल आस।

भव्य भवन निर्माण भेल
आ धरती केर सुड्डाह,
कानि कानि के कते सुनौलक
सुनल न मन केर आह।

ताम्बा चूना अभ्रक लोहा
जस्ता सोना रूप,
भूगर्भा केर अन्तस्थल मे
बहुतो धन अपरूप।

निजक स्वार्थवश सभटा छीनल
बना देल कंगाल,
तैयो दोष धरा केर सदिखन
अपन बजबी गाल।

उपज अन्न केर घटल जा रहल
लागय नहि फल तरु मे,
जल बिनु धह धह धरा क रहल
बदलि रहल अछि मरु मे।

रहल यदि एहिना किछु दिन धरि
तेजू जल केर आश,
आंखिक नोर चुआ के मेटत
सूखल ठोंठक प्यास।।

# सड़क-निर्माण में धांधली पर अब लगेगी रोक, पुख्ता जांच के बाद ही मिलेगी मंजूरी

DISHA
श्री पशुपति नाथ सिंह, माननीय सांसद,
धनबाद लोक सभा क्षेत्र की अध्यक्षता में आहूत
"दिशा" की बैठक

**संवाददाता**

**बोकारो** : बोकारो में सड़क-निर्माण के नाम पर होनेवाली धांधली पर अब रोकने लगने की उम्मीद है। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में इसे लेकर ठोस दिशा-निर्देश दिए गए हैं। धनबाद के सांसद सह- समिति अध्यक्ष पशुपतिनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की बेबी देवी, बोकारो विधायक बिरंची नारायण, गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो, बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह, जिले के डीसी सह समिति सचिव कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार झा, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार सिंह, जिला परिषद अध्यक्षा सुनीता देवी, वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, उप विकास आयुक्त कीर्ती श्री जी., अवर सचिव, ग्रामीण कार्य विभाग चंद्रभूषण, अपर समाहर्ता सादात अनवर, चास एसडीओ अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, सभी प्रखंडों के प्रमुख, विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी आदि उपस्थित थे। बैठक में पिछली बैठक में समिति द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन की क्रमवार समीक्षा की गई। संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारियों ने निर्देशों के अनुपालन की जानकारी समिति के समक्ष रखी, जिस पर समिति सदस्यों ने संतोष जताया। ज्यादातर निर्देशों का अनुपालन विभागों द्वारा कर लिया गया था। कुछ लंबित कार्यों को पूरा करने का समिति ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया।

सांसद ने कहा कि आमजनों की सहूलियत एवं क्षेत्र के विकास के लिए लगातार सड़कों का निर्माण हो रहा है, लेकिन कई जगह से ऐसी शिकायतें सूचना मिल रही है कि खराब सड़कों का निर्माण नहीं होकर, जो सड़कें थोड़ी अच्छी स्थिति में है, उसका ही दोबारा निर्माण संबंधित विभाग या एजेंसी द्वारा करवाया जा रहा है। वहीं, कुछ सड़कों, जिनका कुछ हिस्सा खराब है और कुछ हिस्सा बेहतर है, उन सड़कों को एजेंसी द्वारा पूरा जर्जर बताकर निर्माण कराया जा रहा है। सांसद ने कहा कि निरीक्षण क्रम में पड़ोसी जिले में ऐसा मामला प्रकाश में आया है। ऐसा यहां नहीं हो, इसलिए उन्होंने सड़क निर्माण कर रही ग्रामीण कार्य विभाग या सड़क निर्माण विभाग आदि को खराब सड़कों के निर्माण का प्राक्कलन स्वीकृति से पूर्व उक्त सड़क की वीडियोग्राफी कराकर वीडियो जिला को उपलब्ध कराने को कहा, ताकि प्राथमिकता के अनुसार मुख्य सड़क या ग्रामीण सड़क आदि का आवश्यकतानुरूप जितना जरूरी हो, उतने का निर्माण कार्य कराया जाय।

इस पर उपायुक्त श्री चौधरी ने समिति अध्यक्ष सह सांसद को जिले में यह शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराने की बात कहीं। उन्होंने मौके पर ही संबंधित विभागों के कार्यपालक अभियंता को खराब/जर्जर सड़कों की प्राक्कलन स्वीकृति के साथ की सड़क का वीडियो समर्पित करने का निर्देश दिया।

**मेडिकल कॉलेज पर भी चर्चा :** बैठक में बोकारो में मेडिकल कालेज निर्माण को लेकर भी चर्चा की गई। पिछले दिनों रांची में मेडिकल कालेज का डीपीआर का प्रदर्शन किया गया, जिसकी जानकारी बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने समिति सदस्यों को दी। कहा कि कुछ संशोधन को लेकर सुझाव दिया है, जिसे दुरूस्त कर एजेंसी राज्य विकास आयुक्त को डीपीआर समर्पित करेगी। मुख्यमंत्री की स्वीकृति होने पर आगे की कार्रवाई होगी।

### लापरवाही के खिलाफ एचएससीएल पर होगी कार्रवाई

बैठक में एचएससीएल द्वारा पीएमजीएसवाई के तहत पूर्व में निर्मित 43 सड़कों की जिला स्तरीय समिति द्वारा स्थल निरीक्षण कर वर्तमान स्थिति से समिति सदस्यों को अवगत कराया गया। स्थल-निरीक्षण में अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व वाली टीम ने सड़कों की स्थिति जीर्णशीर्ण बताई। एचएससीएल द्वारा निर्माण कार्य में लापरवाही की गई है। इस पर आगे से सड़क निर्माण का कार्य एचएससीएल को नहीं दिए जाने एवं पूरे मामले से राज्य सरकार को अवगत कराने एवं एचएससीएल के विरूद्ध कार्रवाई के लिए अनुशंसा करने को कहा। इस क्रम में गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर ने जारंगडीह में चिलिंग प्लांट लगाने को लेकर जिला प्रशासन को कार्रवाई करने को कहा। बेरमो विधायक ने बिजली विभाग को वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना का क्षेत्र में व्यापक प्रचार प्रसार करने एवं ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ताओं को योजना से लाभान्वित करने को कहा। कुछ प्रतिनिधियों ने योजना के शिलान्यास व उद्घाटन की सूचना नहीं मिल पाने की बात कहीं। इस पर डीसी ने सभी अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी। कहा कि प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सीधी कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी।

---

**जनसरोकार** डीपीएस बोकारो में नि:शुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र के 26वें बैच का शुभारंभ

# ‘कोशिश’ ने संवारी 600 से अधिक महिलाओं की जिंदगी

### आत्मनिर्भरता के लिए महिलाओं का हुनरमंद होना जरूरी : डॉ. गंगवार

### वर्ष 2006 से चलाई जा रही रही नारी-स्वावलंबन की अनूठी मुहिम

कोशिश
दिल्ली पब्लिक स्कूल, बोकारो द्वारा संचालित
व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र

**संवाददाता**

**बोकारो** : महिला स्वावलंबन एवं नारी सशक्तिकरण के उद्देश्य से डीपीएस बोकारो द्वारा संचालित नि:शुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र ‘कोशिश’ के 26वें बैच का शुभारंभ बुधवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। नए बैच की प्रशिक्षुओं का स्वागत करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार ने उन्हें पूरे मनोयोग के साथ प्रशिक्षण लेने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वे पूरी लगन से सीखें एवं इसका फायदा परिवार की आर्थिक मजबूती व बेहतर जीविकोपार्जन में उठाएं। उन्होंने कहा कि महिलाएं हुनर सीखकर आत्मनिर्भर बनेंगी, तो यकीनन उनका परिवार सुदृढ़ होगा। इस क्रम में प्राचार्य ने पुराने बैच की प्रशिक्षुओं द्वारा तैयार किए गए हस्तशिल्प उत्पादों का अवलोकन किया तथा उनके उज्जवल भविष्य के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

ज्ञातव्य है सामाजिक दायित्वों के तहत डीपीएस बोकारो समाज के अभिवंचित वर्ग के बच्चों के शिक्षार्थ दीपांश शिक्षा केंद्र का भी संचालन करता रहा है। प्राचार्य ने बताया कि शैक्षणिक उत्कृष्टता में नित्य नए आयाम स्थापित करने के अलावा डीपीएस बोकारो सामुदायिक विकास के प्रति भी कटिबद्ध है।

### कारगर ‘कोशिश’ : डॉ. सरिता

‘कोशिश’ एवं ‘दीपांश’ की प्रभारी डॉ. सरिता गंगवार ने बताया कि नारी सशक्तिकरण के अपने प्रयासों के तहत डीपीएस बोकारो वर्ष 2006 से ‘कोशिश’ का संचालन कर रहा है। इस कारगर कोशिश के तहत अब तक 600 से अधिक महिलाएं एवं युवतियां यहां से स्वावलंबी हो निकल चुकी हैं। सिलाई-कटाई, हाथ व मशीन से कढ़ाई, खिलौना, बैग, मोमबत्ती आदि बनाने की कला में पारंगत होकर आज ये महिलाएं स्वावलंबी बन अपने परिवार की आजीविका चलाने की अहम धुरी बन चुकी हैं। बहुत सी महिलाएं यहां से कुशल बन खुद का सिलाई केंद्र खोल चुकी हैं, तो कई अपने घर से ही काम कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधार रही हैं।

### अपनी पढ़ाई का खर्च निकालेगी रश्मि

छह-मासिक प्रशिक्षण पूरा करने वाली विगत बैच की प्रशिक्षुओं में रश्मि, कमला, रिंकू आदि ने बताया कि ‘कोशिश’ से ट्रेनिंग के बाद अब वे अपना व्यवसाय खड़ा कर सकती हैं। रश्मि ने कहा कि इससे होने वाली कमाई से वह अपनी पढ़ाई का खर्च निकालेगी। वह स्नातक में है। विदित हो कि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे, जिससे उन्हें किसी भी संस्थान में कार्य मिलने में सहूलियत हो सकेगी।

---

# बोकारो में सुखाड़

### मोर्चा ने जताई चिन्ता, सरकार से राहत देने की मांग

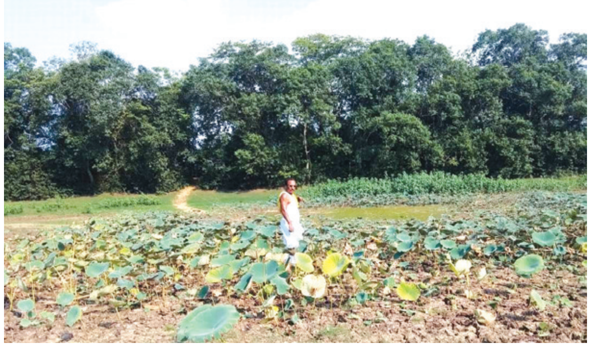

### अन्नदाताओं के साथ हुआ धोखा : राजदेव

**संवाददाता**

**बोकारो** : झारखण्ड आन्दोलकारी संघर्ष मोर्चा के प्रधान महासचिव राजदेव माहथा ने क्षेत्र में सुखाड़ की स्थिति पर गंभीर चिन्ता जताई है। साथ ही, इसे प्राकृतिक आपदा घोषित कर सरकार से सुखाड़ को गंभीरता से लेते हुए पीड़ितों को सरकारी लाभ देने की मांग और राहत योजना चलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 6 जुलाई 2023 तक मॉनसून की वर्षा जिस गति से होनी चाहिए थी, नहीं हुई। न किसानों को पर्याप्त जल मिल पाया, न खेतों को। सूखे खेतों में डाला हुआ धान एवं अन्य खरीफ फसलों, साग-सब्जियों के बीज में जल के बिना अंकुर नहीं निकल पा रहा है और जो निकल गये हैं, वो मर रहे हैं। किसानों में त्राहिमाम-त्राहिमाम मचा हुआ है। श्री माहथा ने कहा कि पिछले वर्ष -2022 को चास-चन्दनकियारी प्रखंड के किसानों को भयंकर सुखाड़ से जूझना पड़ा। बोकारो जिला के सभी प्रखंडों को सुखाड़ क्षेत्र घोषित किया गया, परन्तु चास-चन्दनकियारी एवं चन्द्रपुरा प्रखंड को भयंकर सुखाड़ से प्रभावित होने के बाद भी सुखाड़ क्षेत्र घोषित नहीं किया जाना एक गंभीर विषय है।

क्षेत्रीय जन-प्रतिनिधियों द्वारा विधानसभा में सरकार के समक्ष इस मामले को नहीं उठाना भी बड़ा कारण है एवं सरकारी तंत्रों द्वारा तीनों प्रखंडों के सम्पूर्ण रूप से सुखाड़ प्रभावित क्षेत्रों का भौतिक रूप से जांच नहीं करना और सही रिपोर्ट सरकार के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया जाना भी चिन्ताजनक है। उन्होंने कहा कि यह अन्नदाताओं के साथ धोखा है।

# बीएसएल ने फिर बनाए कीर्तिमान

## वित्तीय वर्ष 2023-2024 की प्रथम तिमाही व जून में बीएसएल का अबतक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

**संवाददाता**

**बोकारो :** वित्तीय वर्ष 2023-2024 की प्रथम तिमाही और जून माह में बीएसएल ने प्रोडक्शन, डिस्पैच तथा टेक्नो-इकोनॉमिक पैरामीटर्स में कई नए कीर्तिमान बनाकर अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। जून 2023 माह में पिछले साल की तुलना में कोक ओवन, ब्लास्ट फर्नेस, एसएमएस (न्यू), एसएमएस - 2 एवं सीसीएस से कुल क्रूड इस्पात के उत्पादन और हॉट स्ट्रिप मिल तथा विक्रय इस्पात में बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी है।

हॉट स्ट्रिप मिल, 2023 के जून माह में 3,20,216 टन इस्पात की रोलिंग कर अब तक का जून माह का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन और 2023-24 के प्रथम तिमाही में 9,90,190 टन का कुल रोलिंग कर के सर्वश्रेष्ठ उत्पादन का कीर्तिमान स्थापित किया है। वित्तीय वर्ष 2023-2024 की प्रथम तिमाही में, पिछले साल की प्रथम तिमाही की तुलना में कोक ओवन, ब्लास्ट फर्नेस, एसएमएस (न्यू), एसएमएस- 2 एवं सीसीएस से कुल क्रूड इस्पात के उत्पादन और हॉट स्ट्रिप मिल, एचआरसीएफ, शीत बेलन शाला झ 1 एवं 2 तथा विक्रय इस्पात में भी बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी है।

## सुरक्षा हेतु 'कवच' को बनाएं प्रभावी : भौमिक

JHA
BOWTIE
IRIS
CSM
PSAP
BIP
C&C
RACI

बोकारो स्टील प्लांट में कवच नामक सेफ्टी कल्चर ट्रांसफॉरमेशन अभियान की शीर्ष समिति की बैठक निदेशक प्रभारी राउरकेला स्टील प्लांट तथा अतिरिक्त प्रभार निदेशक प्रभारी बोकारो स्टील प्लांट अतनु भौमिक की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बीएसएल के अधिशासी निदेशक, सीजीएम और विभागाध्यक्षों ने भाग लिया। इस बैठक में जे के आनंद, संस्थापक और निदेशक (एएसके ईएचएस) और उनकी टीम के सदस्य भी उपस्थित थे। बैठक की शुरुआत श्री भौमिक द्वारा दिलाई गई सुरक्षा शपथ के साथ हुई। बैठक के दौरान सुरक्षा सलाहकार फर्म एएसके ईएचएस इंजीनियरिंग एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने इस सेफ्टी कल्चर ट्रांसफॉरमेशन प्रोग्राम के तहत चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों के कार्यान्वयन की स्थिति पर एक प्रस्तुति दी। श्री भौमिक ने कवच के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा की और इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विभागाध्यक्षों से जानकारी ली। कवच सुरक्षा कार्यक्रम के एक अहम हिस्से के रूप में उल्लिखित सॉफ़्टवेयर एप्लिकेशन भी बैठक के दौरान श्री भौमिक द्वारा लॉन्च किए गए। सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन बिहेवियरल इंटरवेंशन प्रोग्राम, इंसिडेंट रिपोर्टिंग और जांच प्रणाली, ठेकेदार सुरक्षा प्रबंधन, कैपेबिलिटी और कोमपेटेंसी, बो-टाइ एप्लिकेशन, रिस्पान्सबिलिटी, अकाउन्टबिलिटी, कंसल्टेड और इन्फॉर्म्ड, व्यक्तिगत सुरक्षा कार्य योजना और जॉब हजार्ड एनालिसिस से संबंधित हैं। उल्लेखनीय है कि बोकारो इस्पात संयंत्र में जारी कवच सुरक्षा कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षा जागरुकता बढ़ाना, सुरक्षा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना, सक्रिय हस्तक्षेप को सक्षम करना और संयंत्र में संभावित जोखिमों को कम करना है।

## बच्चों को उच्चकोटि का इंसान बनाना ही शिक्षा का उद्देश्य : मिश्रा

**संवाददाता**

**बोकारो :** चिन्मय विद्यालय बोकारो के तत्वावधान में सीबीएसई से संबंद्ध बोकारो जिले के सभी विद्यालयों के प्राचार्यों की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इसके आयोजक बोकारो एवं गिरिडीह के सिटी को-ऑर्डिनेटर सूरज शर्मा थे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरविंद कुमार मिश्रा, रीजनल ऑफिसर, सीबीएसई, पटना रीजन थे। इस कार्यक्रम में बोकारो जिले के 50 से अधिक सीबीएसई से संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य सम्मिलित हुए। इसके पश्चात मुख्य अतिथि श्री मिश्रा, प्राचार्य श्री शर्मा, डॉ. राधाकृष्णण सहोदया कॉपलेक्स के अध्यक्ष डॉ. एएस गंगवार, प्राचार्य, डीपीएस, बोकारो, उपाध्यक्ष पी.शैलजा जयकुमार, प्राचार्या, अयप्पा पब्लिक स्कूल, बोकारो एवं सुमन चक्रवर्ती प्राचार्य, जीजीपीएस बोकारो ने दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय की छात्राओं ने गणेश वंदना नृत्य व मधुर स्वागत गीत से सभी का स्वागत किया। अपने संबोधन में श्री मिश्रा ने कहा कि शिक्षा का पहला और अंतिम उद्देश्य होना चाहिए कि वह बच्चों को एक उच्च कोटि का इंसान बनावें। उन्होंने विद्यालय के 40 विद्यार्थियों को सीबीएसई 2023 की परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित भी किया।

**आयोजन** चंद्रपुरा ताप विद्युत केन्द्र में प्रभातफेरी व पौधरोपण कार्यक्रम

## स्थापना दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

दामोदर घाटी निगम
DAMODAR VALLEY CORPORATION
Chandrapura Thermal Power Station
दामोदर घाटी निगम के
स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

**संवाददाता**

**चंद्रपुरा :** दामोदर घाटी निगम, चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन की ओर से डीवीसी के 76वें स्थापना दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। प्रभात फेरी और वृक्षारोपण कर डीवीसी स्थापना दिवस का शुभारंभ किया गया। यहां की इकाई के मुख्य द्वार के समीप डीवीसी के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों के अलावा अन्य श्रमिकों ने प्रभात फेरी निकालकर कॉलोनी का भ्रमण किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (परिचालन) देवव्रत दास, महाप्रबंधक (सामान्य सेवा) पवन कुमार मिश्रा, उप महाप्रबंधक (प्रशासन) टी टी दास, वरीय प्रबंधक दिलीप कुमार, प्रबंधक रविंद्र कुमार, अमूल्य सिंह सरदार, सरयू रविदास, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, अक्षय कुमार आदि उपस्थित थे।

डीवीसी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उप महाप्रबंधक (प्रशासन) टीटी दास के नेतृत्व में यहां के कमला माता मंदिर पहाड़ी पर वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक श्री दास ने कहा कि वृक्ष हमें जीवन दान देता है, इसलिए वृक्षारोपण करना और उसकी सेवा करना हम सभी नागरिकों का परम कर्तव्य है। सृष्टि के संचालन में वृक्ष की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस बात को हम सभी लोगों को समझना आवश्यक है। इस अवसर पर रविंद्र कुमार, दिलीप कुमार, प्रदीप श्रीवास्तव, विनोद सिन्हा, अक्षय कुमार आदि उपस्थित थे।

## हफ्ते की हलचल

### शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का स्थापना दिवस मनाया

समारोह
उत्थान न्यास
बोकारो

**बोकारो :** शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का स्थापना दिवस चीरा चास में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. पीयूष रंजन, कुलसचिव झारखंड राय विश्वविद्यालय - रांची, विशिष्ट अतिथि अमरकांत झा प्रांतीय संयोजक शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास झारखंड, आदित्य प्रकाश जालान बीएड कॉलेज कुदलुम रांची के प्राचार्य डॉ. रामकेश पांडेय, रामचंद्र चंद्रवंशी विश्वविद्यालय गढ़वा के उपकुलपति डॉ सत्येन्द्र कुमार शर्मा एवं बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय हिंदी विषय के विभागाध्यक्ष डॉ. भगवान पाठक ने संयुक्त रूप से किया। अतिथियों का परिचय एवं स्वागत का कार्य शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, बोकारो जिला समिति संयोजक दयाल कुमार ईश्वर ने किया। बैठक की अध्यक्षता डॉ सत्येंद्र कुमार शर्मा ने की। भगवान पाठक ने मैकाले नीति आधारित शिक्षा-व्यवस्था का प्रतिकार करते हुए अपनी शिक्षा को संस्कृति व राष्ट्रीयता से जोड़ने पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि अमरकांत झा, डॉ. रामकेश पांडेय, मुख्य अतिथि डॉ. पीयूष रंजन ने भी इस दिशा में न्यास की भूमिका रेखांकित की। मंच संचालन निरुपमा झा व धन्यवाद ज्ञापन डॉ राम नारायण सिंह ने किया।

### डीपीएस चास में जूनियर छात्र-परिषद् गठित

DELHI PUB SCHOOL

**बोकारो :** डीपीएस चास में योग्य छात्र प्रतिभाओं पर विशिष्ट जिम्मेदारियों को निभाने, प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से बैज अलंकरण कार्यक्रम 'प्रतिस्थापन' का आयोजन किया गया। निर्वाचन की प्रक्रिया के साथ जूनियर छात्र-परिषद् का गठन हुआ था। 5वीं कक्षा के प्रमेश कौंडिल्य हेड बॉय व सरन्या शाही हेड गर्ल, कक्षा चौथी के कुशाग्र आर्यन वाइस हेड बॉय, कक्षा 5वीं की अनुश्री कुंडू वाइस हेड गर्ल, कक्षा 5वीं की ही रीती श्री को लिटरेरी सेक्रेटरी (साहित्य सचिव), कक्षा 5वीं के कुंदन कुमार महथा को स्पोर्ट्स सेक्रेटरी (खेल सचिव), कक्षा 5वीं की विधि सिंह को कल्चरल सेक्रेटरी (सांस्कृतिक सचिव) चुना गया। उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ मनीषा कुमारी ने दिलाई। इसके साथ ही हाउस कैप्टेन, वाइस हाउस कैप्टन व प्रिफेक्ट ने भी विद्यालय के नियमों का पालन करने, अपने साथियों के बीच समन्वय व सहयोग बनाए रखने के साथ-साथ विद्यालय के आदर्शों को ऊँचा उठाने की शपथ ली। विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन, कार्यवाहक प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे ने निर्वाचित सदस्यों को उनकी नई भूमिकाओं और बड़ी जिम्मेदारियों के लिए चयनित होकर आने पर बधाई दी।

### डॉ. रविन्द्र की पुण्यतिथि पर विद्यालय को बेंच-डेस्क का दान

**बोकारो :** जरीडीह बाजार स्थित अवध बिहारी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में अपने पति स्वर्गीय डॉक्टर रविंद्र कुमार की पुण्यतिथि पर बेरमो की सुप्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. उषा सिंह के सौजन्य से सरस्वती शिशु विद्या मंदिर को 20 जोड़े बेंच डेस्क सप्रेम भेंट किया गया। विदित हो कि एक सप्ताह पूर्व उच्च विद्यालय के सचिव अनिल अग्रवाल के साथ विद्यालय आई थीं। स्वयं की प्रेरणा से बच्चों के लिए बेंच डेस्क देने की बात उन्होंने कही थी। अपने उद्बोधन में डॉ. उषा ने कहा कि हमें सामाजिक कार्य करने के लिए स्व. डॉ. रविंद्र कुमार से शक्ति प्राप्त होती है। आगे भी जो उन से जो भी बन पड़ेगा, वह विद्यालय की आवश्यकता को पूरा करने का प्रयास करेगें। वहीं, सचिव अनिल अग्रवाल ने उन्हें अंगवस्त्र देकर उनका स्वागत किया तथा उनका आभार जताया। मौके पर प्रधानाचार्य कमलजीत सिंह, सुरेश श्रीवास्तव, काजल मंडल, निरल कुमार सहित कई लोग उपस्थित रहे।

### सेक्टर 4डी हनुमान-शिव मंदिर में संगीत कार्यक्रम आयोजित

संगीताचार्य
स्व० कृष्ण दुलारी
अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन

**बोकारो :** बोकारो के सेक्टर 4 डी स्थित हनुमान-शिव मंदिर परिसर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वरिष्ठ तबला वादक पंडित बच्चनजी महाराज के संयोजन में 'संगीताचार्य स्व. कृष्ण दुलारी अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन' नाम से आयोजित इस कार्यक्रम में कलाकारों ने शास्त्रीय, उपशास्त्रीय सहित सुगम संगीत के गायन के साथ ही नृत्य की मनोहारी छटा ने सबको आनंदित किया। कार्यक्रम में सुदीक्षा नयन ने ओडिशी नृत्य, श्रेयांश नयन ने राग बिहाग, प्रभा मोहनन नायर ने कर्नाटक शैली में शास्त्रीय गायन, चंद्र कांत शर्मा, मिलन गोस्वामी, दीप नारायण गोस्वामी ने शास्त्रीय गायन, रंजना राय ने कजरी 'पिया मेंहदी ले आ द' साईकिल से...' व 'खोली ना ई मातल हो नयनमा शिव भोले दानी...', हरेकनाथ गोस्वामी व अमरजी सिन्हा ने गजल, पेटरवार से आये अशोक पांडेय ने 'प्यार नहीं है सुर से जिनको वो मूरख इंसान नहीं..' सहित अनुपमा पाठक, आनंदिता पाठक व अन्य कलाकारों ने भजन सुनाकर श्रोताओं की प्रशंसा पाई। तबले पर पं बच्चनजी महाराज, पं शिव पूजन मिश्र, अरुण कुमार ने संगति की। इस अवसर पर उषा रानी पाठक, के के एन तिवारी, संगीतज्ञ आर एन दुबे, डॉ राकेश रंजन, अरुण पाठक, शंभु झा, प्रसेनजीत शर्मा, उमेश कुमार झा, प्रमोद कुमार, शिवानी चौहान, प्रभाकर कर्मकार, बासु आदि उपस्थित थे।

# बिहार की नदियों में उफान, आफत में जान

**विशेष संवाददाता**

**पटना :** नेपाल में लगातार हो रही बारिश से बिहार की कई नदियों के जलस्तर में भारी वृद्धि हुई है। भारी बारिश के बाद बिहार में नदियां उफान पर हैं। कई क्षेत्रों में बाढ़ का पानी घुस गया है। इसके कारण लोगों की जान आफत में पड़ती नजर आ रही है। जानकारी के अनुसार बागमती नदी सीतामढ़ी के ढेंग, सोनाखान, डूबाधार, कटौंझा तथा मुजफ्फरपुर के बेनीबाद और दरभंगा के हायाघाट में खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। वहीं, कमला बलान खतरे के निशान के पास पहुंच गई है। गंगा पिछले 24 घंटे में एक मीटर से भी अधिक बढ़ी है, जबकि कोसी हर घंटे डेढ़ सेंटीमीटर व बागमती हर घंटे 3 सेंमी से अधिक बढ़ रही है।

इसके कारण नदी के पानी का फैलाव आसपास के इलाकों में भी शुरू हो गया है। पुनपुन का जलस्तर 24 घंटे में 1.63 मीटर तक बढ़ गया। जयनगर में कमला बलान का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। यहां नदी खतरे के निशान से 55 सेमी ऊपर बह रही है। गंगा के अलावा कोसी, बागमती, गंडक, बूढ़ी गंडक, खिरोई, अधवारा, महानंदा, घाघरा, पुनपुन, कमला बलान, भुतही बलान नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।

इधर, सरकार बाढ़ के संभावित खतरे को लेकर तैयार है। नदियों के जलस्तर में वृद्धि के कारण कई इलाकों में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो गया है। जल संसाधन विभाग द्वारा बनाए गए बाढ़ नियंत्रण कक्ष के मुताबिक समाचार लिखे जाने तक कोसी नदी का वीरपुर बराज से 87,765 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था, जो सुबह आठ बजे 74,825 क्यूसेक रह गया। गंडक नदी का वाल्मीकि नगर बराज पर प्रवाह सुबह छह बजे 63,200 क्यूसेक था, जो सुबह आठ बजे 61,400 क्यूसेक हो गया।

इसी प्रकार, कमला बलान झंझारपुर रेल पुल के पास खतरे के निशान के करीब बह रही है। अनुमान है कि नेपाल और उत्तर बिहार के जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश की स्थिति में नदियों के जलस्तर में और बढ़ोतरी हो सकती है। गंगा, कोसी, गंडक के भी जलस्तर में वृद्धि हो रही है। राज्य में 29 जिले बाढ़ प्रभावित हैं, जिसमे 15 को संवेदनशील माना जाता है। एक अधिकारी ने बताया कि पांच हजार राहत शिविर स्थल को चिह्नित कर लिया गया है तथा छह हजार सामुदायिक रसोई बनाने की तैयारी पूरी है। बताया गया कि 21 जिलों में एसडीआरएफ की टीम, जबकि पांच जिलों में एनडीआरएफ की टीम को तैनात किया गया है। बाढ़ संभावित इलाकों में 4,700 निजी नाव और 1,500 सरकारी नाव की व्यवस्था की गई है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को मिलने वाली राशि छह हजार रुपये से बढ़ाकर सात हजार रुपये कर दी है।

---

## तीन दिन में 1665 स्कूलों का निरीक्षण, शिक्षा-व्यवस्था सुधारने में लगे डीएम

मिथिला डायरी

**सीतामढ़ी :** जिलाधिकारी, सीतामढ़ी मनेश कुमार मीणा जिले की शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर संजीदगी के साथ कार्रवाई में जुट गए हैं। उनके निर्देश पर 6 जुलाई को एक ही दिन में विभिन्न प्रखण्डों में स्थित 691 विद्यालयों का निरीक्षण किया गया। इस क्रम में अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित 10 शिक्षक अनुपस्थित पाए गए। डीएम मीणा ने कहा कि सरकार के निदेश के आलोक में तैयार कैलेण्डर के अनुसार प्राथमिक, मध्य, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसके पूर्व 5 जुलाई को 516 और 04 जुलाई को 458 विद्यालयों की जांच की गयी थी। रोस्टर के अनुसार शिक्षा विभाग के ज़िला में पदस्थापित पदाधिकारियों के साथ-साथ जिला में पदस्थापित अन्य विभागों के पदाधिकारियों को निरीक्षण का दायित्व दिया गया है। निरीक्षी पदाधिकारियों को मॉडल निरीक्षण प्रपत्र उपलब्ध कराया गया है। निरीक्षी पदाधिकारियों को निदेश दिया गया है कि वे जांच के दौरान विद्यालय में पदस्थापित शिक्षकों, उपस्थित शिक्षकों, स्वीकृत/सूचित अवकाश में रहने वाले शिक्षकों, विद्यालय में नामांकित कुल विद्यार्थियों व उपस्थित विद्यार्थियों की संख्या सहित अन्य चीजें जांच रहे हैं। डीएम ने कहा कि निरीक्षण में प्राप्त तथ्यों के आधार पर अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

## दरभंगा में बनेगा नया हवाई अड्डा, कवायद तेज

**दरभंगा :** दरभंगा में नया हवाई अड्डा बनाने को लेकर कवायद तेज कर दी गई है। दरभंगा हवाई अड्डे के लिए नया स्थायी सिविल इन्क्लेव व रनवे बनाने की प्रशासनिक कवायद तेज हो गयी है। इसके लिए कुल 78 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया गया है। इसमें से स्थाई सिविल इन्क्लेव के लिए 24 एकड़ एवं रनवे विस्तार के लिए 54 एकड़ भूमि का इस्तेमाल किया जाएगा। इस आशय की जानकारी डीएम राजीव रौशन की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित एक बैठक में दी गई। इस बैठक में जिले की विभिन्न नई व पुरानी परियोजनाओं के लिए किए जा रहे भू-अर्जन की स्थिति की समीक्षा की गई। बताया गया कि स्थाई सिविल इन्क्लेव व रनवे विस्तार के लिए भूमि का हस्तांतरण फरवरी में ही किया जा चुका है। कुछ रैयत बचे हुए हैं, जिन्हें भुगतान किया जाना है। उन्हें अंतिम नोटिस दिया जा रहा है। यदि वे राशि लेने नहीं आते हैं तो प्राधिकार को उनकी राशि जमा करा दी जाएगी।

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है।
E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631

# बिहार के भूले-बिसरे साहित्यकारों को खोह से निकाला था डा. सुरेंद्र प्रसाद जमुआर ने

### साहित्य सम्मेलन ने साहित्यिक विभूतियों को दी काव्यांजलि

बिहार-हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन
सम्मेलन मार्ग, कदमकुआँ, पटना-८००००३
डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद जमुआर
डॉ. जितेन्द्र सहाय
डॉ. शांति जैन जयंती

**विशेष संवाददाता**

**पटना :** अनेक अलक्षित साहित्यकारों को प्रकाश में लाने वाले स्तुत्य लेखक डा सुरेंद्र प्रसाद जमुआर तथा सुख्यात शल्य-चिकित्सक डा जितेंद्र सहाय, हिन्दी की अमूल्य सेवा करने वाले प्रणम्य साहित्यकार थे। परिश्रम और साहित्यिक प्रतिभा दोनों के ही आभूषण थे। जमुआर जी ने अपनी लेखनी से हिन्दी साहित्य को ही नही, बिहार के साहित्यकारों का भी बड़ा उपकार किया। उन्होंने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' तो नही लिखा, किंतु बिहार के साहित्यकारों का इतिहास अवश्य लिख डाला। वहीं दूसरी ओर, विदुषी कवयित्री पद्मश्री डा शांति जैन और संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति पं आद्या चरण झा संस्कृत और हिन्दी की सेवाओं के लिए सदैव स्मरण किए जाते रहेंगे।

यह बातें बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती समारोह एवं कवि-सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि आधुनिक हिन्दी साहित्य के उन्नयन में बिहार के साहित्यकारों ने अभूतपूर्व योगदान दिया है, किंतु 'हिन्दी साहित्य के इतिहास' में बिहार के हिन्दी-सेवियों की चर्चा अत्यंत गौण है। जमुआर जी ने अपने चार अत्यंत मूल्यवान ग्रंथों, तीन खण्डों में प्रकाशित 'बिहार के दिवंगत हिन्दी साहित्यकार एवं बिहार के साहित्यकारों की साहित्य यात्रा' में, बिहार के साढ़े तीन सौ से अधिक हिन्दी-सेवियों के अवदानों को, प्रकाश में लाने का अत्यंत महनीय कार्य किया। इन ग्रंथों में इनकी विद्वता, अन्वेषण-धर्मिता, अकुंठ परिश्रम,साहित्य के प्रति अमूल्य निष्ठा और लेखन-सामर्थ्य का सुस्पष्ट परिचय मिलता है।

आरंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा शंकर प्रसाद ने किया। डा. सहाय के पुत्र और पटना उच्च न्यायालय में अधिवक्ता अमित प्रकाश व दूरदर्शन बिहार के पूर्व कार्यक्रम-प्रमुख तथा डा जमुआर के साहित्यकार पुत्र डा ओम प्रकाश जमुआर ने भी अपने विचार रखे। वरिष्ठ कवि और भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी बच्चा ठाकुर ने संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और महान संस्कृत-सेवी पं. आद्याचरण झा के कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया।

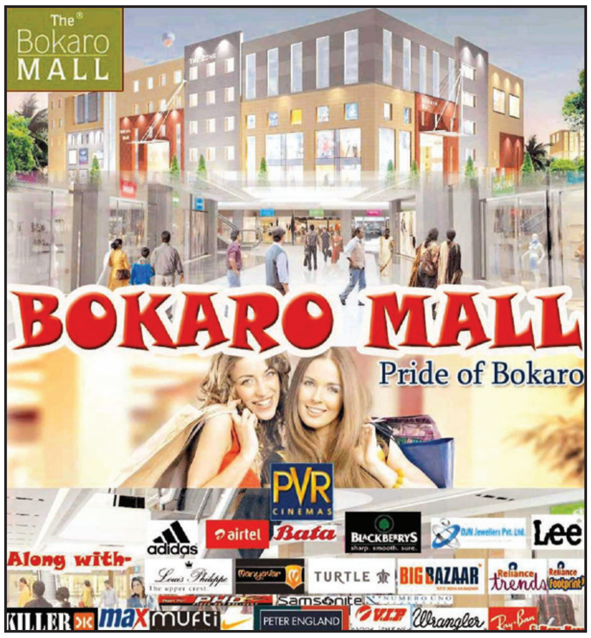

# ईश्वर और प्रकृति का संयोग श्रावण

**- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-**

श्रावण मास में ही प्रकृतिरूपी भूमि और ईश्वर रूपी महादेव का संयोग होता है, तभी इस संयोग से पृथ्वी पर वृद्धि होती है। इसीलिए शास्त्रों में श्रावण मास का विशेष महत्व कहा गया है और यह मास भगवान शिव और महागौरी का मास है, जब ये अपनी लीला का प्रकाश फैलाते हुए धरती पर विचरण करते हैं। श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय मास है। उसमें भोलेनाथ शंकर की साधना करने से वे पल में ही प्रसन्न होते हैं और जीवन की सारी इच्छाओं को पूर्ण कर देते हैं। उच्च कोटि के योगी, यति और साधु, सन्यासी तो साल भर से श्रावण महीने की प्रतीक्षा करते रहते हैं, जिससे इन दिवसों में जीवन की अद्वितीय साधना सम्पन्न कर अपने मन के सारे विचारों और जीवन की सारी इच्छाओं को पूर्णता दे सकें। साथ ही समस्त रोगों और पापों से सदा के लिए निवृत्त होकर जीवन का पूर्ण आनन्द प्राप्त कर सकें।

## शिवत्व के माध्यम से ही जीवन में श्रेष्ठता

श्रावण मास भगवान भोलेनाथ शिव का मास है, जिसमें सही पूजा और साधना करने से भगवान शंकर सारी इच्छाओं को पूर्ण कर देते हैं। यदि जीवन में शिवत्व प्राप्त करना है तो श्रावण मास से अधिक कोई भी सिद्ध मुहूर्त नहीं है। इस मुहूर्त की प्रतीक्षा केवल साधुओं और योगियों को ही नहीं, हर साधक पुरुष-स्त्राी सबको रहती है। इस मास का आनन्द कुछ और ही है। अलमस्त फुहारों से भरा यह मास मन और शरीर के भीतर ही भीतर एक विशेष उत्साह, आवेग, चेतना जगाता है। शिव की महिमा तो निराली है। प्रसन्न हुए तो कुबेर को देवताओं का कोषाध्यक्ष बना दिया, रावण की नगरी सोने की बना दी, अश्विनी कुमारों को सारी आयुर्वेद विद्या सौंप दी, महामृत्युंजय स्वरूप होकर यमराज को बांध दिया। भीषण से भीषण रोग की समाप्ति शिव-कृपा, साधना से प्राप्त होती है। जीवन में श्रेष्ठता शिवत्व के माध्यम से ही प्राप्त हो सकती है। श्रावण मास में सम्पन्न किया जाने वाला हर प्रयोग सौभाग्यदायक ही रहता है।

## जहां शिव, वहां लक्ष्मी

माता पार्वती, शक्ति स्वरूपा जगदम्बा हैं, जो कि शिव का ही स्वरूप हैं। माता गौरी स्वयं अन्नपूर्णा, लक्ष्मी स्वरूप हैं। शिव की पूजा-साधना करने से लक्ष्मी साधना का ही फल प्राप्त होता है और सभी देवताओं में अग्र पूज्य गणपति तो साक्षात शिव-पुत्रा हैं, जो सभी प्रकार के विघ्नों, अड़चनों, बाधाओं को समाप्त करने वाले देव हैं। श्रावण मास की साधना से गणपति साधना का भी साक्षात फल प्राप्त होता है। इसीलिए कहा गया है कि जहां शिव हैं, वहां सब कुछ है और जिसने शिवत्व प्राप्त कर लिया, उसने अपने जीवन में पूर्णत्व प्राप्त कर लिया। उसके लिए कठिन से कठिन कार्य भी सरल बन जाता है।

## पूर्ण प्रदाता हैं शिव

भगवान शिव को रसेश्वर कहा गया है, क्योंकि यह जीवन में रस को प्रदान करने वाले हैं और जिस व्यक्ति के जीवन में रस नहीं है, उस व्यक्ति का जीवन मृत तुल्य है। प्रतीक स्वरूप में भगवान शंकर ने गंगा के तेज प्रवाह को अपनी जटाओं में धारण किया था और उनके शरीर से प्रवाहित होती हुई गंगा पूरे भारतवर्ष को जीवन-रस से आप्लावित करती हुई निरन्तर प्रवाहित हो रही है। सारी नदियां सूख सकती हैं, लेकिन गंगा की मूल धारा कभी भी नहीं सूख सकती। इसका स्पष्ट तात्पर्य है कि भगवान शिव पर अभिषेक किया हुआ जल पूरे जीवन को आप्लावित करता है। यही गंगा कहीं नर्मदा बन जाती है, कहीं ब्रह्मपुत्रा, तो कहीं हुगली, क्षिप्रा। इस प्रकार विभिन्न धाराओं में बहती हुई समुद्र में विलीन हो जाती हैं। ठीक इसी प्रकार मनुष्य भी अपने जीवन में निरन्तर प्रवाहमान, गतिशील होते हुए अपने जीवन में दूसरों को सुख प्रदान करने में समर्थ होता हुआ जीवन की पूर्णता रूपी समुद्र, जिसमें भगवान नारायण विराजमान हैं, उस पूर्णत्व मोक्ष को प्राप्त करे, यही तो जीवन की वास्तविक गति है।

## महाशक्ति के स्वामी

भगवान शिव का हजारों नामों से वर्णन किया गया है। वे त्रिपुरारी हैं, मायाधारी हैं, लीलाधारी हैं, महादेव हैं, महाकालेश्वर हैं, अर्द्धनारीश्वर हैं, नटेश्वर हैं, भूतेश्वर हैं, नारायण हैं, त्रिनेत्रा हैं, तंत्रोश्वर हैं, अभ्यंकर हैं, भयंकर हैं, शंकर हैं, ब्रह्म और परब्रह्म हैं, प्रलयंकर हैं, गंगाधर हैं, शशिशेखर हैं और आदि अनादि के देव महादेव हैं। महाशक्ति के स्वामी हैं और सबसे विशेष बात यह है कि भूत-प्रेत-मनुष्य-देवता सभी भगवान शिव का ही गुणगान करते हैं और भगवान शिव ही गले में विषधर सर्पों का हार पहने हुए संसार का विष ग्रहण करते हुए सदैव मुस्कान की मुद्रा में ही रहते हैं। यदि व्यक्ति भगवान शिव को ही अपना आदर्श मान लें और यह निश्चय कर लें कि मैं शिव समान ही अपने जीवन को रसयुक्त रखूंगा और जीवन यात्रा में चाहे कितने भी दुःख रूपी सर्प आयें, उन दुःखों को धारण करते हुए भी आनन्द के साथ जीवन-यात्रा करूंगा, तो मनुष्य का जीवन शान्त और सर्वसुखों से युक्त महान बन जाता है। फिर उसे छोटी-मोटी पीड़ा-व्याधि नहीं सताती है।

**(साभारः निखिल मंत्र विज्ञान)**

---

# बरसात में खाने-पीने के मामले में इन चीजों का रखें ख्याल

**सलाद :** यूं तो सलाद खाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है, लेकिन मॉनसून में कच्ची सब्जियां खाना सेहत से जुड़ी तकलीफों को न्योता देने के बराबर है। कुछ सब्जियों में गंदगी के कारण बहुत अधिक मात्रा में रोगाणु होते हैं, जिससे जठरांत्र संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। बेहतर है इस मौसम में पका हुआ ताजा खाना ही खाएं। सी-फूड खाने से भी बचें।

**हरी पत्तेदार सब्जियां :** हरी पत्तेदार सब्जियां पोषण तत्वों से भरपूर होती हैं, इसलिए इन्हें रोजाना खाने की सलाह दी जाती है, लेकिन बारिश के मौसम में, बेहतर है कि इन्हें डाइट में शामिल न किया जाए। इस मौसम में उमस बढ़ने की वजह से हरी पत्तेदार सब्जियां जल्दी खराब हो जाती हैं। इसके अलावा मौसम की नमी की वजह से पौधे में कीटाणुओं के लिए एक आदर्श प्रजनन स्थल बन जाते हैं। इसलिए इस मौसम में पालक, पत्ता गोभी और फूल गोभी जैसी सब्जियां नहीं खानी चाहिए।

**मसाला चाय पिएं :** मॉनसून में होने वाली उमस और पसीने की वजह से हमारे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इसे पूरा करने के लिए पानी और तरल पदार्थ का सेवन बढ़ाना चाहिए। साथ ही आप मसाला चाय का आनंद भी ले सकते हैं। मसाला चाय में दालचीनी, तुलसी, अदरक, इलाइची जैसी चीजों का इस्तेमाल जरूर करें, ताकि संक्रमण से बचे रहें।

**साफ पानी पिएं :** कई लोग किचन के नल या बोरवेल से सीधे पानी पी लेते हैं। उन्हें इस बात का अहसास नहीं होता कि बारिश के मौसम में पानी कीटाणुओं से आसानी से संक्रमित हो जाता है। यह दूषित पानी पीने से पेट से जुड़े इंफेक्शन, दस्त या टाइफॉइड होने का खतरा रहता है।

**मसालों का इस्तेमाल करें :** मसाले एंटी-सेप्टिक और एंटी-इंफ्लामेटरी गुणों से भरपूर होते हैं। अपनी डाइट में हल्दी, काली मिर्च और लॉन्ग जैसे मसाले शामिल करने से आप संक्रमणों से बचे रहेंगे। साथ ही जुकाम और खांसी का जोखिम भी कम होगा।

**प्रस्तुति : गंगेश**

# साढ़े चार सौ वर्षों के अथक संघर्ष का परिणाम है अयोध्या का श्री राम मंदिर

## अनछुए पहलू- 1 : जानिए, कैसे हरेक कदम पर चुनौतियों से हुआ रामभक्तों का सामना

*अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर चिरप्रतीक्षित श्री राम मंदिर का निर्माण कार्य जोर-शोर से चल रहा है। संभवतः अगले साल तक मंदिर को भक्तों के दर्शनार्थ खोल भी दिया जाएगा। लेकिन, मंदिर-निर्माण के इस स्तर तक पहुंचने में हमारे पूर्वजों ने कितनी यातनाएं सहीं, कितनी चुनौतियों का सामना किया और हरेक कदम पर किस प्रकार लड़ाई लड़ी, यह बहुत कम लोग जानते हैं। श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट, अयोध्या के महासचिव चंपत राय कारसेवकपुरम में निखिल मंत्र विज्ञान (अंतरराष्ट्रीय सिद्धाश्रम साधक परिवार) की ओर से आयोजित गुरु पूर्णिमा साधना शिविर में गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली के समक्ष मंच पर उपस्थित हुए और उन्हें नमन करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही, गुरुदेव श्री श्रीमाली जी के आग्रह पर उन्होंने श्री राम मंदिर निर्माण और इससे पूर्व मंदिर निर्माण में आई समस्त बाधाओं पर विशेष रूप से पर प्रकाश डाला। इस आधार पर प्रस्तुत है राम मंदिर निर्माण से जुड़े अनछुए पहलुओं की पहली कड़ी-*

अयोध्या प्रभु श्रीराम की नगरी है। यहीं उनका जन्म हुआ। जहां जन्मभूमि है उनकी, वहां कभी मंदिर था। कई बार जब हम बहुत सुख-सुविधाओं में रहने लगते हैं, तो आलसी भी हो जाते हैं और बीमारियों से लड़ने की ताकत भी घट जाती है। हिंदुस्तान में जब बहुत धन-संपदा आ गई, तो शायद राक्षसों से लड़ने की ताकत भी घट गई और विदेशी हमले होने लगे। अयोध्या के संतों ने, जनता ने, पास-पड़ोस के छोटे-छोटे राजाओं ने बड़े प्रयास किए। लड़ाई लड़ी। वह लड़ाई आज के जमाने की मोबाइल की नहीं, भाषण की नहीं, तलवारों की थी। ऐसी 75 बार लड़ाइयों का वर्णन आता है। अब 75 बार लड़ाई हुई होगी, तो हर लड़ाई में कुछ न कुछ जान गई होगी, जाहिर है। लेकिन, यहां के संतों ने, यहां के रामभक्तों ने हार न मानी। ह्रदय में जब राम विराजमान हैं, तो निराश क्यों होना। इसी दृढ़ निश्चय के साथ वो आगे बढ़ते रहे, पर हर कदम चुनौती भरा रहा। एक कदम आगे बढ़े, वहीं रुक गए। छह महीने बाद, साल भर बाद फिर एक कदम आगे बढ़े, फिर रुक गए। हरेक कदम आगे बढ़ाने में लड़ाई लड़नी पड़ी और ऐसे साढ़े चार सौ साल तक लड़ते-लड़ते 1934 में उस स्थान को तोड़ दिया।

हिंदुस्तान आजाद नहीं था, पराधीन था। अंग्रेजों ने यहां के हिंदुओं को दंड दिया कि आप 84 हजार रुपए इकट्ठा करके खजाने में जमा करो। आपके दंड से ही इसकी मरम्मत करेंगे। 1934 के 84 हजार रुपए 2023 में कितने हुए, आप चाहें तो जरा कहीं गणित करवा लेना। एक मां ने अपने घर से 84000 निकालकर खजाने में जमा कर दिया। उसी मां को तो शक्ति कहा गया है। मरम्मत हो गई। लड़ाई जारी रही। यह लड़ाई इतनी गंभीर थी कि यहां उसका बहुत असर हुआ और इसलिए हिंदुस्तान आजाद हो गया। 1947 में यहीं के नौजवान लड़कों एवं साधुओं ने मिलकर उस स्थल पर कब्जा किया। लड़कों की उम्र 18 से 20 साल थी। ऐसे दो लड़कों को वीजापुर, गुजरात में उनके बुढ़ापे में उनसे मिलने गए। 1992 में कुछ याद नहीं था, कैसे किया। लेकिन, कब्जा कर लिया, वह कब्जा कभी खत्म नहीं हुआ। उसी कब्जे से हम जीत गए और यह मंदिर उसी कब्जे का परिणाम है। इसलिए, हिम्मत नहीं हारना चाहिए। अगर सच्चाई के मार्ग पर चल रहे हो, तो निराश नहीं होना। अगर भगवान राम अपने ह्रदय में रखते हो, तो निराश हो ही नहीं सकते और यह इसी का फल है।

## 75 बार आक्रांताओं से हुई थी तलवारों की लड़ाई

### 1950 में शुरू हुई थी अदालती कार्रवाई

1950 से अदालतें चालू हो गईं। उस समय जो भी जिसके पास साधन थे, बुद्धि थी, क्षमता थी, वैसी लड़ाई अदालत में चली। धीरे-धीरे हिंदुस्तान में जागरण हुआ। अंदर बैठे हुए राम जगे, अंदर बैठे हुए हनुमान जी जगे, पराक्रम जग गया और उस पराक्रम का फल यह निकला कि राम जन्मभूमि पर जिस मस्जिद को बाबर ने बनवाया था, उसका ढांचा ही समाप्त कर दिया गया। वह भी महज पांच घंटे में। सरकार अगर गिराने का टेंडर लेती तो लाखों रुपए लगते। हवन के कपूर की तरह वह ढांचा उड़ गया।

### जन्मस्थान की अदला-बदली असंभव

यह समाज के लिए राम जन्मभूमि की लड़ाई थी। इस समाज में सम्मान की लड़ाई थी। राम उनके आराध्य हैं, अन्यथा तो अयोध्या में हजारों मंदिर हैं। राम जन्मभूमि को वापस पाने के लिए हम लड़े। भले ही हम बाहर रहकर आलीशान कोठी बनवा लें, पर गांव की जिस झोपड़ी में जन्मे, जन्म स्थान वही रहेगा। जन्म स्थान की अदला-बदली नहीं हो सकती। यह अपरिवर्तनीय है। 1992 आ गया अदालतों में भी काम चलता रहा। बड़े-बड़े विद्वान कहते थे, वकील कहते थे कि बड़ा मुश्किल है। लेकिन अंदर यह विश्वास था कि हमारे पूर्वज सच्चाई की लड़ाई लड़ रहे थे तो जीत निश्चित है। अगर सच्चाई थी, तो जीत होगी और एक के बाद एक रास्ते खुलते चले गए।

***(अगले अंक में पढ़ें कैसे 1528 में मंदिर होने की बात हुई प्रमाणित और अदालत में मिली विजय की कहानी।***

---

## गुदगुदी

एक डाक्टर से पागल मरीज- डॉक्टर साहब, आप पिछले डॉक्टर से ज्यादा अच्छे हैं।
डॉक्टर (खुश होकर)- क्यों?
पागल मरीज (उत्साहित होकर)- क्योंकि आप हमलोगों जैसे ही लगते हैं।

-----

एक बन्दा इलेक्शन में किस्मत आजमा रहा था, उसे सिर्फ तीन वोट मिले, उसने सरकार से जेड प्लस सुरक्षा की मांग की...
जिले के डीएम ने कहा- आप को सिर्फ 3 वोट मिले हैं आप को जेड+ कैसे दे सकते हैं?
आदमी बोला - जिस शहर में इतने लोग मेरे खिलाफ हों तो मुझे सुरक्षा मिलनी ही चाहिए!!!'

---

## चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल में 'वनसपती' पूजा
नहीं देव-देवी फिर दूजा
'वनसपती' है वनस्पति ही
यह जंगल की देवी 'डीही'

'वनसपती' की पूजा से ही
हम सबका भी होना है उद्धार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
वन में कुछ पाषाण बड़े हैं
वर्ष हजारों हुए खड़े हैं
'मेगालिथ' इनको कहते हैं
कुछ जन इनको ही गहते हैं

वे सब कर इतिहास की बातें
हमें बताते इनका हर विस्तार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

(क्रमशः)

**कुमार मनीष अरविन्द**

---

## पेज- एक का शेष

### छात्रवृत्ति घोटाला...

कि उनका गोरखधंधा फिर चालू हो चुका है। धनबाद में लगभग 1200 छात्रों के नाम पर डेढ़ करोड़, कोडरमा में फर्जी तौर पर 10 विद्यालयों के 1400 छात्रों के बहाने 1.5 करोड़ और गिरिडीह में लगभग एक हजार छात्रों के नाम पर 1.2 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति का भुगतान कर सरकार के खजाने से राशि की लूट कर ली गई। यानी कुल मिलाकर बच्चों के हक के 4.2 करोड़ रुपए अफसर गटक गए। गौरतलब है कि सरकार जिनके लिए यह राशि प्रदान करती है, वह वास्तविक रूप से उन्हें प्राप्त होती भी है या नहीं, इस बात की आज तक जांच भी नहीं कराई गई। छात्रवृत्ति की राशि छात्र के खाते में जा रही है या नहीं, इसकी भी खोज-खबर नहीं ली जाती। विद्यालय से लेकर विभाग मुख्यालय तक योजनाबद्ध रूप से घोटाला चल रहा है। शहरी क्षेत्र में जब यह आलम है तो ग्रामीण और दूर-दराज के जिले में क्या काले कारनामे हो रहे हैं, यह कहना कठिन है। धनबाद में वर्ष 2022 में छात्रवृत्ति की जो राशि थी, उसे गायब कर दिया गया। हंगामा मचने के बाद जांच का जिम्मा एसीबी को दिया गया। एसीबी ने जांच के दायरे में चिह्नित विद्यालय पर कार्रवाई शुरू की, परन्तु कुछ अदृश्य शक्ति के दबाव में मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इसी प्रकार, कोडरमा में डेढ़ करोड़ की राशि पर भी मामला को दबाने का काम शुरू है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

# दामोदर घाटी निगम

## *76वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं*

## राष्ट्र को ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ परिक्षेत्रीय विकास के लिए प्रतिबद्ध

## डीवीसी चन्द्रपुरा ताप विद्युत केन्द्र

**हमारा संकल्प : समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत**

*वित्तीय वर्ष 2022-23 में निगमित सामाजिक दायित्व योजना के तहत*

*डीवीसी चन्द्रपुरा थर्मल पावर स्टेशन (सीटीपीएस) द्वारा परिक्षेत्रीय विकास के क्षेत्र में किए गए प्रमुख कार्य :-*

उत्क्रमित मध्य विद्यालय, फतेहपुर में सेफ्टी टैंक एवं जलापूर्ति के साथ शौचालयों का निर्माण।

गोसाईंडीह ग्राम में सोलर पम्प की स्थापना।

मंगलडाढ़ी ग्राम में (सौर ऊर्जा) सोलर पम्प का निर्माण।

STATION ROAD
CHANDRAPURA (BOKARO)

स्टेशन रोड, चन्द्रपुरा में सोलर (सौर ऊर्जा) हाई मास्ट लाइट लगाई गई।

दामोदर घाटी निगम
निगमित सामाजिक दायित्व, चन्द्रपुरा द्वारा
नेत्र जाँच शिविर
दिनांक 16.12.2022 को प्रात: 8 बजे से
स्थान : डी.वी.सी. कल्याण केन्द्र, चन्द्रपुरा

चन्द्रपुरा में नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन। 251 मरीजों की नेत्र जांच के उपरान्त के एम मेमोरियल अस्पताल, चास में 100 मरीजों का मोतियाबिंद ऑपरेशन।

KABADDI ASSOCIATION

झारखंड राज्य कबड्डी एसोसिएशन द्वारा आयोजित नेशनल सब-जूनियर चैम्पियनशिप में क्षेत्र के खिलाड़ियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई।

दामोदर घाटी निगम
दिनांक 23 एवं 24 फरवरी 2023

चन्द्रपुरा में योग शिविर का आयोजन।

उच्च विद्यालय, तारानारी में वार्षिक ग्रामीण खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन।

*"हमसे है लाखों चेहरों पर मुस्कान"*

क्षेत्र की महिलाओं में आय के स्त्रोत बढ़ाने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु बेलियाटांड ग्राम में पापड़ उद्योग चलाने में सहायता।

*इनके अलावा निगमित सामाजिक दायित्व के तहत सीटीपीएस सीएसआर द्वारा अनगिनत गतिविधियां निरन्तर चलाई जा रही हैं, जिनमें खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्व-रोजगार के क्षेत्र में ग्रामीण प्रतिभाओं, विद्यार्थियों व महिलाओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से उनके बीच फुटबॉल, वॉलीबॉल, नेट, पुस्तकालय की पुस्तकें, लैब (प्रयोगशाला) उपकरण, सैनिटरी पैड आदि वितरित किये गए। साथ ही, स्थानीय कला एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्रों में मेले के आयोजनों में सहयोग दिये जा रहे हैं। इनके अलावा युवाओं व महिलाओं को आर्थिक रूप से सबल व सशक्त बनाने के उद्देश्य से सीएसआर सीटीपीएस के सौजन्य से आई.टी.आई. और सिलाई-कढ़ाई केन्द्र भी संचालित किये जा रहे हैं।*

**परिक्षेत्रीय विकास की दिशा में संकल्पित सीएसआर, सीटीपीएस**
**चन्द्रपुरा ताप विद्युत केन्द्र, चन्द्रपुरा (बोकारो)**

Advt.